

DR. Sanjai Kumar, Assistant Prof. YBN University, Ranchi



# **YBN UNIVERSITY**

Established by the Act of Government of Jharkhand Act 15, 2017  
Gazette Notification No. 505, Dated 17th July 2017  
As per Section 2(f) of UGC Act. 1956



**RAJAUATU, NAMKUM, RANCHI, JHARKHAND-834010**

## Hindi 11

### नेपाली साहित्य की अवधारणा

नेपाली साहित्य नेपाली भाषा में रचित साहित्यिक रचनाओं का समुच्चय है, जो नेपाल और भारत के नेपाली-भाषी समुदायों के जीवन, संस्कृति और इतिहास को प्रतिबिंबित करता है। नेपाली साहित्य का इतिहास प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक विस्तारित है और इसमें विविध प्रकार की साहित्यिक विधाओं का समावेश है, जैसे कि कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध और जीवनी।

### प्राचीन काल

नेपाली साहित्य का प्रारंभ प्राचीन काल में ही हुआ था जब साहित्यिक रचनाओं को मौखिक परंपरा के माध्यम से संरक्षित और प्रचारित किया जाता था। इस काल की प्रमुख रचनाएँ धार्मिक

ग्रंथों, लोकगीतों और महाकाव्यों के रूप में मिलती हैं। नेपाल का सबसे पुराना लिखित साहित्यिक साक्ष्य 'अमरकोश' है, जो संस्कृत में लिखा गया था और बाद में नेपाली भाषा में अनुवादित हुआ।

## **मध्यकाल**

मध्यकाल में नेपाली साहित्य ने महत्वपूर्ण विकास किया। इस काल में भक्तिकाल का प्रभाव स्पष्ट था और धार्मिक और भक्ति साहित्य का सृजन हुआ। मध्यकालीन साहित्य में प्रमुख रचनाकारों में भानुभक्त आचार्य का नाम विशेष उल्लेखनीय है, जिन्होंने वाल्मीकि रामायण का नेपाली में अनुवाद किया और इसे जनसाधारण के लिए सुलभ बनाया।

## **आधुनिक काल**

आधुनिक काल के नेपाली साहित्य में पश्चिमी साहित्यिक प्रभाव और नवजागरण का प्रभाव देखा जाता है। इस काल में साहित्यिक विधाओं का विस्तार हुआ और विभिन्न सामाजिक,

राजनीतिक, और सांस्कृतिक मुद्दों पर रचनाएँ लिखी गईं। आधुनिक काल के प्रमुख साहित्यकारों में लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा, माधवप्रसाद घिमिरे और पारिजात शामिल हैं, जिन्होंने नेपाली साहित्य को समृद्ध किया और इसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।

## **विशेषताएँ**

**भाषाई विविधता:** नेपाली साहित्य में विभिन्न भाषाई शैलियों और बोलियों का प्रयोग होता है, जो इसे समृद्ध बनाता है।

**सामाजिक प्रतिबिंब:** यह साहित्य समाज के विभिन्न वर्गों, उनकी समस्याओं, संघर्षों और उपलब्धियों को दर्शाता है।

**धार्मिक और सांस्कृतिक तत्व:** धार्मिक ग्रंथों और सांस्कृतिक परंपराओं का साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

**प्रगतिशील विचार:** आधुनिक और समकालीन नेपाली साहित्य में प्रगतिशील और नवाचारी विचारधाराओं का समावेश है।

## **निष्कर्ष:**

नेपाली साहित्य एक व्यापक और जीवंत परंपरा है, जो समय के साथ विकसित और समृद्ध होती रही है। यह साहित्य नेपाली समाज की विविधता, संघर्ष और सांस्कृतिक धरोहर को प्रतिबिंबित करता है। नेपाली साहित्य न केवल नेपाल के लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, बल्कि यह वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में भी अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराता है। इसके माध्यम से नेपाली समाज की सोच, भावना और संस्कृति को गहराई से समझा जा सकता है, जो इसे एक महत्वपूर्ण साहित्यिक धरोहर बनाता है।

नेपाली साहित्य एक विविध और समृद्ध साहित्यिक परंपरा है जो नेपाली भाषा में लिखी गई सभी साहित्यिक कृतियों को समाविष्ट करती है। यह साहित्य नेपाली समाज, संस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं का परिचय देता है, साथ ही व्यक्तिगत और सामाजिक मुद्दों पर विचार करता है। नेपाली साहित्य में कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आत्मकथा, जीवनी और अन्य रचनात्मक रूपों का समावेश होता है। प्राचीन काल में, साहित्य

धार्मिक और ऐतिहासिक परंपराओं के माध्यम से प्रस्तुत किया जाता था। मध्यकालीन काल में, धार्मिक और भक्ति काव्य का उदय हुआ, जबकि आधुनिक काल में, सामाजिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत विषयों पर ध्यान केंद्रित हुआ। नेपाली साहित्य का आधुनिक युग १९वीं और २०वीं सदी के बीच विकसित हुआ, जब साहित्यिक चेतना में भारतीय और पश्चिमी प्रेरणा का प्रभाव देखा गया। इस युग में लक्ष्मीप्रसाद देवकोटा, भानुभक्त आचार्य आदि जैसे प्रमुख कवियों ने नेपाली साहित्य को नई दिशा दी। समकालीन नेपाली साहित्य में विविधता और नवाचार की प्रमुखता है। यहाँ नए लेखकों और कवियों ने साहित्यिक नजरियों और शैलियों को प्रस्तुत किया है, जो समाज के साथ ही समय के साथ बदलते हुए परिप्रेक्ष्य को भी अभिव्यक्त करते हैं।